ओस की बूंदे पीती बच्ची

मरू स्थल
सुखी घास
सूखे पेड़
सुखी फसल
कटी फसल
फिर
फसल के सूखे ठूंठ

सुखी मिट्टी के खेत
अब
ओस से ढकी
हरी घास आई
बाजरी की बालियां व पत्तियां आईं।

हाइवे पर भागते ट्रक
बस,ऑटो
और गाड़ी।
गाड़ी से उतरी पांच साल की बच्ची।

अत्यधिक प्यासी,
सुखा गला
सूखे होंठ,
घास पर दौड़ी
नर्म नर्म घास पर
लौटती रही।
बालियो और पत्तियों पर
पड़ी ओस की बूंदों से खेलती रही।

हाथ पैर गला
पूरी बॉडी की गीली
ओस की बूंदे
छोटी छोटी
हथेलियों पर
उड़ेलती रही
एक पत्ते से
ओस की बूंदें
हथेली पर उड़ेली
दूसरे पत्ते से..
तीसरे से..
चौथे से..
पांचवें से..
फिर
हथेलियां होठों पर
लगाकर प्योर वाटर पीती रही।

अब
बच्ची तृप्त हुई ,
सूखे होंठ
फिर से
मुलायम और कोमल जुबान गीली हुई।

ओस की बूंदे पीती बच्ची। _2

डॉ. सुमन धर्मवीर